101

301(ZG)

2023

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

नोट : **पूर्णांक : 100**

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में **दो खण्ड** हैं, दोनों खण्डों के **सभी** प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है ।

खण्ड – 'क'

1. (क) 'चन्द छन्द बरनन की महिमा' के रचनाकार हैं – 1

(A) रामप्रसाद निरंजनी (B) जटमल

(C) गंग (D) दौलतराम

(ख) हिन्दी गद्य के प्रवर्तक कहे जाते हैं – 1

(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (B) प्रतापनारायण मिश्र

(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी (D) देवकीनन्दन खत्री

(ग) छायावाद युग की समय सीमा मानी जाती है – 1

(A) सन् 1900 से 1940 तक (B) सन् 1919 से 1938 तक

(C) सन् 1920 से 1938 तक (D) सन् 1920 से 1940 तक

(घ) सन् 1903 में सरस्वती पत्रिका के सम्पादन का कार्य प्रारम्भ किया : 1

(A) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी ने (B) प्रतापनारायण मिश्र ने

(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी ने (D) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने

(ङ) 'पैरों में पंख बाँधकर' रचना की विधा है : 1

(A) रिपोर्ताज विधा (B) संस्मरण विधा

(C) जीवनी विधा (D) यात्रा-वृत्त

https://www.upboardonline.com

2. (क) 'यशोधरा' काव्य के रचयिता हैं : 1

(A) जयशङ्कर प्रसाद (B) मैथिलीशरण गुप्त
(C) रामनरेश त्रिपाठी (D) सुमित्रानन्दन पन्त

(ख) छायावाद काल से सम्बन्धित नहीं हैं – 1

(A) सुमित्रानन्दन पंत (B) महादेवी वर्मा
(C) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (D) गिरिधर शर्मा 'नवरत्न'

(ग) 'हरी घास पर क्षणभर' के रचनाकार हैं – 1

(A) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (B) त्रिलोचन
(C) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' (D) गिरिजाकुमार माथुर

(घ) 'तीसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है – 1

(A) सन् 1959 ई. (B) सन् 1960 ई.
(C) सन् 1957 ई. (D) सन् 1965 ई.

(ङ) 'लोकायतन' के रचयिता हैं – 1

(A) हरिशंकर परसाई (B) सुमित्रानन्दन पंत
(C) रामधारी सिंह 'दिनकर' (D) गजानन माधव मुक्तिबोध

3. निम्नलिखित गद्यांश का सन्दर्भ देते हुए किसी एक के दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखिए : **2 + 2 + 2 + 2 + 2 = 10**

मुझे मानव-जाति की दुर्दम-निर्मम धारा के हजारों वर्ष का रूप साफ दिखाई दे रहा है । मनुष्य की जीवनी-शक्ति बड़ी निर्मम है, वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा मोहों को रौंदती चली आ रही है । न जाने कितने धर्माचारों, विश्वासों, उत्सवों और व्रतों को धोती-बहाती यह जीवन-धारा आगे बढ़ी है । संघर्षों से मनुष्य ने नई शक्ति पाई है । हमारे सामने समाज का आज जो रूप है, वह न जाने कितने ग्रहण और त्याग का रूप है । देश और जाति की विशुद्ध संस्कृति केवल बाद की बात है । सब कुछ में मिलावट है, सब कुछ अविशुद्ध है । शुद्ध है मनुष्य की दुर्दम जिजीविषा (जीने की इच्छा) । वह गंगा की अबाधित-अनाहत धारा के समान सब कुछ को हजम करने के बाद भी पवित्र है ।

(i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए ।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
(iii) मनुष्य सभ्यता एवं संस्कृति को किस प्रकार रौंद रहा है ?
(iv) 'मनुष्य की जीवनी-शक्ति बड़ी निर्मम है ।' का आशय स्पष्ट कीजिए ।
(v) मनुष्य ने किसके द्वारा नई शक्ति पाई है ?

अथवा

https://www.upboardonline.com

यह प्रणाम-भाव ही भूमि और जन का दृढ़-बन्धन है । इसी दृढ़ भित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है । इसी दृढ़ चट्टान पर राष्ट्र का चिर जीवन आश्रित रहता है । इसी मर्यादा को मानकर राष्ट्र के प्रति मनुष्यों के कर्त्तव्य और अधिकारों का उदय होता है । जो जन पृथिवी के साथ माता और पुत्र के संबंध को स्वीकार करता है, उसे ही पृथिवी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है । माता के प्रति अनुराग और सेवाभाव पुत्र का स्वाभाविक कर्त्तव्य है । वह एक निष्कारण धर्म है । स्वार्थ के लिए पुत्र का माता के प्रति प्रेम, पुत्र के अध:पतन को सूचित करता है । जो जन मातृभूमि के साथ अपना संबंध जोड़ना चाहता है उसे अपने कर्त्तव्यों के प्रति पहले ध्यान देना चाहिए ।

(i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) पृथिवी के साथ किस प्रकार का सम्बन्ध रखना चाहिए ?

(iv) राष्ट्र का भवन किस पर आधारित होता है ?

(v) राष्ट्र के प्रति जन का कर्त्तव्य क्या है ?

4. पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $5 \times 2 = 10$

निकसि कमंडल तैं उमंडि नभ-मण्डल-खंडति ।
धाई धार-अपार बेग सौं बायु बिहंडति ।।

भयी घोर अति शब्द धमक सों त्रिभुवन तरजे ।
महामेघ मिलि मनहु एक संगहि सब गरजे ।।

निज दरेर सों पौन-पटल कारति फहरावति ।
सुर-पुर के अति सघन घोर घन घसि घहरावति ।।

चली धार धुधकारि धरा-दिसि काटति कावा ।
सगर-सुतनि के पाप-ताप पर बोलति धावा ।।

(i) प्रस्तुत पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) गंगा के कमंडल से निकलने के स्वरूप का वर्णन कीजिए ।

(iv) गंगा ने कावा काटते हुए कहाँ पर धावा बोला ?

(v) पद्यांश में प्रयुक्त अलंकार का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

कहते आते थे यही अभी नर देही,
माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही ।
अब कहें सभी यह हाय ! विरुद्ध विधाता –
है पुत्र पुत्र ही रहे कुमाता माता ।
बस मैंने इसका बाह्य–मात्र ही देखा,
दृढ़ हृदय न देखा, मृदुल गात्र ही देखा ।
परमार्थ न देखा, पूर्ण स्वार्थ ही साधा,
इस कारण ही तो हाय आज यह बाधा ।
युग–युग तक चलती रहे कठोर कहानी;
रघुकुल में भी थी एक अभागिन रानी ।

(i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) मनुष्य अभी तक क्या कहते आये थे, पद्यांश के अनुसार स्पष्ट कीजिए ।

(iv) कैकेयी के बाह्य रूप देखने का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(v) यह कहानी युगों–युगों तक किस प्रकार की कही जाती रहेगी ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन–परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : 3 + 2 = 5

(i) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

(ii) पं. दीनदयाल उपाध्याय

(iii) वासुदेव शरण अग्रवाल

(iv) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन–परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : 3 + 2 = 5

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

https://www.upboardonline.com

6. **'कर्मनाशा की हार' अथवा 'पंचलाइट' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण लिखिए।**
(शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द) 5

अथवा

कहानी-तत्त्वों के आधार पर 'बहादुर' कहानी का वर्णन कीजिए।

7. **स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए :**
(शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द) 5

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर किसी प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक लिखिए।

(ख) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण लिखिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की किसी घटना का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'मुक्ति-यज्ञ' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

अथवा

'मुक्ति-यज्ञ' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्रांकन कीजिए।

(घ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का सारांश लिखिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण लिखिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

(च) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक लिखिए।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर 'महात्मा गान्धी' का चरित्र-चित्रण लिखिए।

https://www.upboardonline.com

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

सप्तदशवर्षाणि यावत् अमरत्वप्राप्त्युपायं चिन्तयन् मूलशंकरः ग्रामाद् ग्रामं नगरान्नगरं, वनाद् वनं, पर्वतात् पर्वतमभ्रमत् परं नाविन्दतातितरां तृप्तिम् । अनेकेभ्यो विद्वद्भ्यः व्याकरण-वेदान्तादीनि शास्त्राणि योगविद्याश्च अशिक्षत् । नर्मदातटे च पूर्णानन्द सरस्वतीनाम्नः संन्यासिनः सकाशात् संन्यासं गृहीतवान्, दयानन्द सरस्वती इति नाम च अङ्गीकृतवान् । https://www.upboardonline.com

अथवा

अथैकः शकुनिः सर्वेषाम् मध्यादाशयग्रहणार्थं त्रिकृत्वः अश्रावयत् । ततः एकः काकः उत्थाय तिष्ठ तावत्, अस्य एतस्मिन् राज्याभिषेककाले एवं रूपं मुखं, क्रुद्धस्य च कीदृशं भविष्यति ? अनेन हि क्रुद्धेन अवलोकिताः वयं तप्तकटाहे प्रक्षिप्तास्तिलाः इव तत्र तत्रैव धङ्क्ष्यामः । ईदृशो राजा मह्यं न रोचते ।

(ख) निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में ससन्दर्भ अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

रेखामात्रपि क्षुण्णादामनोर्वर्त्मनः परम् ।
न व्यतीयुः प्रजास्तस्य नियन्तुर्नेमिवृत्तयः ।।

अथवा

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम् ।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम् ।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का संस्कृत में उत्तर दीजिए : 2 + 2 = 4

(i) पञ्चशीलसिद्धान्ताः कीदृशाः सन्ति ?

(ii) मालवीयस्य सर्वोच्चगुणः कः आसीत् ?

(iii) जलबिन्दु निपातेन क्रमशः कः पूर्यते ?

(iv) सर्वधनप्रधानम् किं धनम् अस्ति ?

10. (क) 'वीर' रस **अथवा** 'करुण' रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'श्लेष' **अथवा** 'उत्प्रेक्षा' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'रोला' **अथवा** 'हरिगीतिका' छन्द का लक्षण देते हुए एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

https://www.upboardonline.com

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

(i) क्रिकेट खेल का आँखों देखा वर्णन

(ii) जनसंख्या वृद्धि की समस्या एवं समाधान

(iii) प्रदूषण की समस्या एवं निवारण

(iv) मेरा प्रिय कवि

12. (क) (i) 'सच्चयनम्' में सन्धि-विच्छेद है – 1

(अ) सच + चयनम्

(ब) सद् + चयनम्

(स) सत् + चयनम्

(द) शत् + चयनम्

(ii) 'तट्टीका' में सन्धि-विच्छेद है – 1

(अ) तत् + टीका

(ब) तत + टीका

(स) तद् + टीका

(द) तट् + टीका

(iii) 'दोग्धा' में सन्धि है – 1

(अ) श्चुत्व सन्धि

(ब) ष्टुत्व सन्धि

(स) जश्त्व सन्धि

(द) परसर्वण सन्धि

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक पद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) अनुरूपम्

(ii) सज्जन:

(iii) महाजन:

13. (क) (i) 'आत्मन्' शब्द का चतुर्थी विभक्ति का बहुवचन रूप होगा : 1

(अ) आत्मन:

(ब) आत्मने

(स) आत्मभ्य:

(द) आत्मनो

(ii) 'नामन्' शब्द का तृतीया विभक्ति एकवचन का रूप होगा : 1

(अ) नाम्ना

(ब) नाम्न:

(स) नामनि

(द) नामभ्य:

(ख) (i) 'पा' धातु में लट् लकार उत्तम पुरुष बहुवचन का रूप होगा : 1

(अ) पिबामि

(ब) पिबाव:

(स) पिबथ

(द) पिबाम:

(ii) नेष्यामि **अथवा** तिष्ठामि का धातु लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए। 1

https://www.upboardonline.com

(ग) (i) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट करें : 1

(अ) नीत्वा

(ब) दत्त:

(स) दृष्ट्वा

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का संस्कृत प्रत्यय लिखिए : 1

(अ) महत्त्वम्

(ब) धीमान्

(स) बुद्धिमान्

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) विद्यालयम् परित: वृक्षा: सन्ति ।

(ii) स: पादेन खंज: अस्ति ।

(iii) हरिणा सह राधा नृत्यति ।

14. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2 + 2 = 4

(क) पढ़ने में आलस्य मत करो ।

(ख) वह पेड़ से गिर पड़ा ।

(ग) गाँव के चारों ओर वृक्ष हैं ।

(घ) ग्राम के निकट नदी बहती है ।

(ङ) गुरुजी को प्रणाम है ।

---

https://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.upboardonline.com